दैनिक
# राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 326 | लखनऊ, रविवार, 14 जून, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00




# एस.एम.एस. लखनऊ ने तीसरी बार लिम्का बुक रिकार्ड में बनायी पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ। स्कूल ओफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ द्वारा वर्ष 2012 से लगातार वैश्विक तापमान (ग्लोबल-वार्मिंग) व जलवायु परिवर्तन पर जनमानस में चेतना जगाने का सघन कार्य चल रहा है । इसके अन्तर्गत प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के सभी 28 -जनपदों में प्रत्येक वर्ष माह अगस्त / सितम्बर से दिसम्बर / जनवरी तक स्कूल / कालेजो में पामफ्लेट वितरण, वीडियो व लेक्चर द्वारा विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों तथा अध्यापको को ग्लोबल-वार्मिंग से उत्पन्न समस्याओं व समाधान की जानकारी देते हैं तथा स्कूल / कालेज के छात्र/छात्राओं में सवाल-जबाब के लिए टेस्ट कराया जाता है और प्रत्येक स्कूल / कालेज के 5-5 सफल छात्र/छात्राओं का फ़ाइनल ग्रीन-क्वेस्ट टेस्ट में सम्मलित किया जाता है। उनमे से तीन उत्कृष्ट स्कूल/कालेज के छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया जाता है । इस प्रकार अभी तक लाखो जनमानस को जागृत कर पेड़-पौधे लगाने, बिजली की बचत हेतु एलइडी बल्ब का उपयोग करने, खेती में गोबर की खाद के उपयोग, सोलर लाईट व पम्प लगाने हेतु चेतना जगाई जा चुकी है । एसएमएस के सचिव व कार्यकारी अधिकारी, श्री शरद सिंह ने इस अभियान में लगे सभी अध्यापको , अधिकारियों व छात्र/छात्राओं को वधाई देते हुए कालेज में 7-8 लोगो के आयोजित एक समारोह में, जिसमे शासन के कोरोना के आदेशो का अनुपालन करते हुए, यह जानकारी दी कि स्कूल ओफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ भारतवर्ष का पहला तकनीकी कालेज है जिसे मात्र चार-माह की अवधि में प्रदेश के 28-जनपदों के 400-स्कूल/कालेजो के माध्यम से 45000 लोगो में ग्लोबल-वार्मिंग से उत्पन्न समस्याओं व निराकरण के अभियान के लिए 'लिम्का बुक रिकार्ड' में स्थान दिया गया है। इस कार्य के लिए एसएमएस विगत कई वर्षो से विश्वस्तर पर कार्य कर रहा है और उनके निदेशक डा. भरत राज सिंह द्वारा इसपर पुस्तक ग्लोबल-वार्मिंग- कारण, प्रभाव और उपचार- 2015 में प्रकाशित किया है । उन्होंने यह भी यह भी बताया कि यह एक सम्मान की बात है कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों के इतिहास में एसएमएस ही पहला ऐसा इंस्टिट्यूट बन गया है जिसे 'लिम्का बुक रिकार्ड' में तीसरी बार ऐसे सराहनीय कार्य हेतु सम्मलित किया गया है । उक्त समारोह में, निदेशक-डा. मनोज महरोत्रा, महानिदेशक (तकनीकी)-डा. भरत राज सिंह, मुख्यमहाप्रंधक-डा. जगदीश सिंह, डीन- डा. धर्मेन्द्र सिंह, महाप्रबन्धक - श्री सुरेन्द्र श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष : डा. पी.के.सिंह, डा. हेमंत कुमार सिंह, डा. अमरजीत सिंह, अपर-महाप्रबन्धक-श्री प्रवीन सिंह आदि उपस्थित रहकर अभियान को विश्वव्यापी बनाने पर सहमति जतायी